अस्मिन् प्रश्नपत्रे 51 प्रश्नाः एवं 23 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्न-पत्र में 51 प्रश्न तथा 23 मुद्रित पृष्ठ हैं।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं०

गूढसंख्या **67/SS/A**
कोड नं०
स्तवकः/सेट **A**

भारतीयदर्शनम्
भारतीय दर्शन
(347)

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ....

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

1. ....

2. ....

सामान्या निर्देशाः —

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या 67/SS/A, स्तवकः A नूनं लेख्या।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के प्रारम्भ में छपी है और प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में चार विकल्पों (क), (ख), (ग), (घ) में से सही उत्तर चुनकर उत्तर-पत्र में लिखना है।
4. सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखना है।
5. उत्तर-पत्र में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी लिखना सर्वथा वर्जित है।
6. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड नं० 67/SS/A, सेट A अवश्य लिखें।
7. सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत भाषा में ही लिखें।

भारतीयदर्शनम्
भारतीय दर्शन
(347)

परीक्षासमयावधिः — होरात्रयम्] [पूर्णाङ्काः — 100

परीक्षा का समय : तीन घंटे पूर्णाङ्क : 100

निर्देशाः — (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [**A**] भागे 20, [**B**] भागे 15, [**C**] भागे 6, [**D**] भागे 6, [**E**] भागे 4—इति आहत्य 51 प्रश्नाः सन्ति।

इस प्रश्न-पत्र में [**A**] भाग में 20, [**B**] भाग में 15, [**C**] भाग में 6, [**D**] भाग में 6, [**E**] भाग में 4—कुल मिलाकर 51 प्रश्न हैं।

(ii) **समे** प्रश्नाः अनिवार्याः।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।

प्रश्न के दाहिनी ओर की संख्या (अङ्क × प्रश्न = पूर्णाङ्क) अंक को सूचित करती है।

(iv) **A** भागे प्र. सं. 1 तः 20 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पप्रकारस्य प्रश्नाः (MCQs) येषु प्रत्येकम् एक अङ्कः भवति। एतेषु प्रत्येकस्मिन् प्रश्ने दत्तचतुर्णां विकल्पानां मध्ये सर्वाधिकम् उपयुक्तं विकल्पं चित्वा लिखन्तु। एतेषु केषुचित् प्रश्नेषु आन्तरिकः विकल्पः प्रदत्तः अस्ति। एतादृशेषु प्रश्नेषु दत्तविकल्पेषु एकस्य एव प्रयासः करणीयः।

भाग **A** में प्रश्न संख्या 1 से 20 तक वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न (MCQs) प्रत्येक एक अंक के होंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प चुनें और लिखें। इनमें से कुछ प्रश्नों पर एक आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है। ऐसे प्रश्नों में दिए गए विकल्पों में से केवल एक ही प्रयास करना चाहिए।

(v) **B** भागे प्र. सं. 21 तः 35 पर्यन्तं वस्तुनिष्ठप्रश्नाः/मेलनम्, रिक्तस्थानानि, सत्यम्-असत्यम् इत्यादि। प्रत्येकं प्रश्नः अङ्कद्वयात्मकः अस्ति। ते यथानिर्देशं समाधेयाः।

भाग **B** में प्रश्न संख्या 21 से 35 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न/मिलान, रिक्त स्थान, सत्य-असत्य आदि हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है। उनके निर्देशानुसार उत्तर दें।

(vi) **C** भागे प्र. सं. 36 तः 41 पर्यन्तम् अतिलघूत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कद्वयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *30* तः *50* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

भाग **C** में प्रश्न संख्या 36 से 41 तक प्रत्येक दो-दो अंक के अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके *30* से *50* शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

(vii) **D** भागे प्र. सं. 42 तः 47 पर्यन्तम् अनतिदीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकम् अङ्कत्रयात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *50* तः *80* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

भाग **D** में प्रश्न संख्या 42 से 47 तक प्रत्येक तीन अंक के लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके *50* से *80* शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

(viii) **E** भागे प्र. सं. 48 तः 51 पर्यन्तं दीर्घोत्तरीयाः प्रश्नाः प्रत्येकं पञ्चाङ्कात्मकाः सन्ति। ते यथानिर्देशं *80* तः *100* शब्दानां परिधिमध्ये समाधेयाः ।

भाग **E** में प्रश्न संख्या 48 से 51 तक प्रत्येक पाँच अंक के दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। निर्देशानुसार उनके *80* से *100* शब्दों की सीमा में उत्तर दें।

(ix) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में ही लिखे जाने चाहिए।

(x) स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या।

अपनी उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र का गुप्त क्रमांक अवश्य लिखें।

(xi) उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।

उत्तर पुस्तिका पर स्व-पहचान लिखना या निर्धारित स्थान को छोड़कर कहीं भी क्रमांक लिखना सख्त वर्जित है।

(xii) समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।

सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय के अंदर लिखने होंगे।

(xiii) निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पुटसंख्या प्रश्नानां च संख्या प्रथमपुटस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।

जाँचें कि क्या प्रश्न-पत्र की पत्रसंख्या और प्रश्नों की संख्या पहले पत्र की शुरुआत में दी गई संख्या के समान है या नहीं। प्रश्न क्रम सही है या नहीं।

(xiv) अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपुटे नूनं लेख्यः।

प्रश्न-पत्र के प्रथम पत्र में अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.
सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time have been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 2:15 p.m. From 2:15 p.m. to 2:30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the Answer-Book during this period.
इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण दोपहर में 2:15 बजे किया जाएगा। 2:15 बजे से 2:30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

[A] प्रश्नसंख्या 1–20 बहुविकल्पप्रश्नाः सन्ति येषां कृते 20 अङ्काः आवण्टिताः भवन्ति— 1×20=20

प्रश्न क्रमांक 1–20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके लिए 20 अंक निर्धारित हैं :

1. सांख्यमते प्रकृतेः कतिधा परिणामः?

(क) द्विधा (ख) त्रिधा

(ग) चतुर्धा (घ) पञ्चधा

सांख्य के अनुसार प्रकृति के परिणाम कितने हैं?

(क) दो (ख) तीन

(ग) चार (घ) पाँच

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(i) सांख्यमते पञ्च तन्मात्राणि कस्मात् उत्पद्यन्ते?

(क) प्रकृतेः (ख) अहङ्कारात्

(ग) महत्तत्त्वात् (घ) मनसः

सांख्य के अनुसार पाँच तन्मात्र किससे उत्पन्न होते हैं?

(क) प्रकृति से (ख) अहङ्कार से

(ग) महत् तत्त्व से (घ) मन से

(ii) सांख्यमते सृष्टौ प्रकृतिपुरुषयोः संयोगे कः दृष्टान्तः?

(क) सूर्यचन्द्रवत् (ख) पङ्ग्वन्धवत्

(ग) तमःप्रकाशवत् (घ) वागर्थवत्

सांख्य के अनुसार सृष्टि में प्रकृति और पुरुष के संयोग में क्या दृष्टान्त दिया गया है?

(क) सूर्य और चंद्रमा की तरह (ख) लंगड़े और अंधे की तरह

(ग) अंधेरे और रोशनी की तरह (घ) वाणी और अर्थ की तरह

3. सांख्यमते कः वादः स्वीक्रियते?

(क) विवर्तवादः (ख) मायावादः

(ग) विज्ञानवादः (घ) सत्कार्यवादः

सांख्य के अनुसार कौन-सा तर्क स्वीकार किया जाता है?

(क) विवर्तवाद (ख) मायावाद

(ग) विज्ञानवाद (घ) सत्कार्यवाद

4. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(i) प्रलयकाले गुणाः कीदृशरूपेण भवन्ति?

(क) परस्परं मिलिताः (ख) स्वरूपेण

(ग) गौणमुख्यरूपेण (घ) वैषम्यावस्थायाम्

प्रलयकाल में गुण किस रूप में रहते हैं?

(क) परस्पर जुड़े हुए (ख) स्वरूप में

(ग) गौण और मुख्य रूप में (घ) वैषम्य अवस्था में

(ii) शुक्तिकायां रजतस्य प्रतीतिः कस्य वादस्य दृष्टान्तरूपेण प्रदीयते?

(क) परिणामवादस्य (ख) विवर्तवादस्य

(ग) आरम्भवादस्य (घ) सत्कार्यवादस्य

शुक्तिका में चाँदी का ज्ञान किस वाद को दर्शाती है?

(क) परिणामवाद (ख) विवर्तवाद

(ग) आरम्भवाद (घ) सत्कार्यवाद

5. अद्वैतवेदान्ते कति प्रमाः स्वीक्रियन्ते?

(क) तिस्रः (ख) चतस्रः

(ग) पञ्च (घ) षट्

अद्वैत वेदांत में कितनी प्रमाएँ मानी जाती हैं?

(क) तीन (ख) चार

(ग) पाँच (घ) छः

6. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(i) वेदान्तमते शाब्दबोधे कति सहकारिकारकाणि?

(क) त्रीणि (ख) चत्वारि

(ग) पञ्च (घ) षट्

वेदांत के अनुसार शाब्दबोध में कितने सहयोगी कारक होते हैं?

(क) तीन (ख) चार

(ग) पाँच (घ) छः

(ii) पदानाम् अर्थेषु मुख्या वृत्तिः का?

(क) योग्यता (ख) आसत्तिः

(ग) शक्तिः (घ) सन्निधिः

पदों के अर्थ में मुख्य वृत्ति क्या है?

(क) योग्यता (ख) आसत्ति

(ग) शक्ति (घ) सन्निधि

7. शक्यमनन्तर्भाव्य यत्र अर्थान्तरस्य प्रतीतिस्तत्र कीदृशी लक्षणा?

(क) लक्षितलक्षणा (ख) केवललक्षणा

(ग) जहल्लक्षणा (घ) अजहल्लक्षणा

जहाँ शक्य अर्थ को अन्तर्भाव न करके अन्य अर्थ का ज्ञान होता है वहाँ कैसी लक्षणा होती है?

(क) लक्षितलक्षणा (ख) केवललक्षणा

(ग) जहल्लक्षणा (घ) अजहल्लक्षणा

8. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(i) वेदाः ईश्वरकृताः अत एव पौरुषेयाः इचि केषां मतम्?

(क) वेदान्तिनाम् (ख) मीमांसकानाम्

(ग) आर्हतानाम् (घ) नैयायिकानाम्

कौन मानता है कि वेद ईश्वर द्वारा रचित हैं और इसलिए पौरुषेय हैं?

(क) वेदांती (ख) मीमांसक

(ग) जैन (घ) नैयायिक

(ii) पर्वतो वह्निमान् धूमात् इति अनुमाने धूमो हि—

(क) साध्यः (ख) पक्षः

(ग) हेतुः (घ) व्यापकः

पर्वतो वह्निमान् धूमात्—इस अनुमान में धुआँ है

(क) साध्य (ख) पक्ष

(ग) हेतु (घ) व्यापक

9. तद्भिन्नत्वे सति तद्गतभूयोधर्मवत्त्वमिति कस्य लक्षणम्?

(क) अनुमानस्य (ख) व्याप्तेः

(ग) सादृश्यस्य (घ) उपमानस्य

तद्भिन्नत्वे सति तद्गतभूयोधर्मवत्त्वम्—यह किसका लक्षण है?

(क) अनुमान (ख) व्याप्ति

(ग) सादृश्य (घ) उपमान

10. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(i) अद्वैतवेदान्ते कति प्रमाणानि स्वीक्रियन्ते?

(क) त्रीणि (ख) चत्वारि

(ग) पञ्च (घ) षट्

अद्वैत वेदांत में कितने प्रमाण माने जाते हैं?

(क) तीन (ख) चार

(ग) पाँच (घ) छः

(ii) वेदान्तमते कीदृशः अभावः अनादिः सान्तश्च?

(क) प्रागभावः (ख) प्रध्वंसाभावः

(ग) अत्यन्ताभावः (घ) अन्योन्याभावः

वेदांत के अनुसार किस प्रकार का अभाव अनादि और सान्त है?

(क) प्रागभाव (ख) प्रध्वंसाभाव

(ग) अत्यन्ताभाव (घ) अन्योन्याभाव

11. एतेषु किम् आस्तिकदर्शनं नास्ति?

(क) सांख्यदर्शनम् (ख) बौद्धदर्शनम्

(ग) न्यायदर्शनम् (घ) योगदर्शनम्

निम्नलिखित में से कौन-सा आस्तिक दर्शन नहीं है?

(क) सांख्यदर्शन (ख) बौद्धदर्शन

(ग) न्यायदर्शन (घ) योगदर्शन

12. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(i) अद्वैतवेदान्तमते जीवः किमर्थं सुखदुःखम् अनुभवति?

(क) अभावात्
(ख) अकारणात्
(ग) स्वभावतः
(घ) स्वरूपस्य अज्ञानात्

अद्वैत वेदांत के अनुसार जीव को सुख और दुःख का अनुभव क्यों होता है?

(क) अभाव से
(ख) अकारण से
(ग) स्वभाव से
(घ) स्वरूप का अज्ञान से

(ii) दर्शनशास्त्रे ख्यातिशब्दः कस्मिन् अर्थे रूढः?

(क) ज्ञाने
(ख) अज्ञाने
(ग) भ्रमे
(घ) अनिर्वचनीयार्थे

दर्शनशास्त्र में ख्याति शब्द किस अर्थ में प्रसिद्ध है?

(क) ज्ञान
(ख) अज्ञान
(ग) भ्रम
(घ) अनिर्वचनीय

13. आत्मख्यातिवादः केषाम्?

(क) प्राभाकरमीमांसकानाम्
(ख) योगाचाराणाम्
(ग) वेदान्तिनाम्
(घ) नैयायिकानाम्

आत्मख्यातिवाद कौन स्वीकार करता है?

(क) प्राभाकर मीमांसक
(ख) योगाचार
(ग) वेदांती
(घ) नैयायिक

14. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(i) असत्ख्यातिवादिनः के?

(क) शून्यवादिनः (ख) नैयायिकाः

(ग) वेदान्तिनः (घ) मीमांसकाः

असत्ख्यातिवादी कौन हैं?

(क) शून्यवादी (ख) नैयायिक

(ग) वेदांती (घ) मीमांसक

(ii) अद्वैतवेदान्तमते कति सत्ताः स्वीक्रियन्ते?

(क) त्रिस्रः (ख) चतस्रः

(ग) पञ्च (घ) द्वे

अद्वैत वेदांत के अनुसार कितनी सत्ताएँ स्वीकार की जाती हैं?

(क) तीन (ख) चार

(ग) पाँच (घ) दो

15. सृष्टिविचारप्रसङ्गे अद्वैतवेदान्तिनां कः न्यायः प्रसिद्धः?

(क) तृणारणिमणिन्यायः (ख) शाखाचन्द्रमसन्यायः

(ग) अध्यारोपापवादन्यायः (घ) तिलतण्डुलन्यायः

सृष्टि के विचार के संदर्भ में अद्वैत वेदांतवादियों का प्रसिद्ध न्याय कौन-सा है?

(क) तृणारणिमणिन्याय (ख) शाखाचन्द्रमसन्याय

(ग) अध्यारोपापवादन्याय (घ) तिलतण्डुलन्याय

16. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(i) पञ्चदशीकारमते ईश्वरः कः?

(क) मायोपाधिकः (ख) जीवोपाधिकः

(ग) अविद्योपाधिकः (घ) कोऽपि न

पञ्चदशीकार के अनुसार ईश्वर कौन हैं?

(क) मायोपाधिक (ख) जीवोपाधिक

(ग) अविद्योपाधिक (घ) कोई नहीं

(ii) ईश्वरः किमाश्रित्य जगत् सृजति?

(क) आकाशम् (ख) शून्यम्

(ग) मायाम् (घ) तेजः

ईश्वर संसार की रचना किस आधार पर करता है?

(क) आकाश (ख) शून्य

(ग) माया (घ) तेज

17. वेदान्तमते प्रलयः कतिविधः?

(क) द्विविधः (ख) त्रिविधः

(ग) चतुर्विधः (घ) षड्विधः

वेदांत के अनुसार प्रलय कितने प्रकार के होते हैं?

(क) दो (ख) तीन

(ग) चार (घ) छः

18. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(i) त्वगिन्द्रियं कस्मात् उत्पद्यते?

(क) आकाशात् (ख) वायोः

(ग) तेजसः (घ) अद्भ्यः

त्वगिन्द्रिय कहाँ से उत्पन्न होता है?

(क) आकाश से (ख) वायु से

(ग) तेज से (घ) जल से

(ii) रसनेन्द्रियं कस्मात् उत्पद्यते?

(क) आकाशात् (ख) वायोः

(ग) तेजसः (घ) अद्भ्यः

रसनेन्द्रिय कहाँ से उत्पन्न होता है?

(क) आकाश से (ख) वायु से

(ग) तेज से (घ) जल से

19. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(i) शमादिषट्सम्पत्तौ इदं नान्तर्भवति—

(क) उपरतिः (ख) विषयः

(ग) तितिक्षा (घ) श्रद्धा

शमादिषट्सम्पत्ति में यह अन्तर्भुक्त नहीं होता है

(क) उपरति (ख) विषय

(ग) तितिक्षा (घ) श्रद्धा

(ii) विहितानां कर्मणां विधिना परित्यागो हि—

(क) शमः (ख) दमः

(ग) उपरतिः (घ) तितिक्षा

विधि द्वारा विहित कर्मों का परित्याग है

(क) शम (ख) दम

(ग) उपरति (घ) तितिक्षा

20. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(i) विषयेभ्यो मनसो निग्रहः किमुच्यते?

(क) शमः (ख) दमः

(ग) उपरतिः (घ) वैराग्यम्

मन को विषयों से निग्रह करना क्या कहलाता है?

(क) शम (ख) दम

(ग) उपरति (घ) वैराग्य

(ii) वेदान्तानां कुत्र तात्पर्यम्?

(क) कर्मणि (ख) स्वर्गे

(ग) ब्रह्मणि (घ) समाधौ

वेदांत वाक्यों का तात्पर्य कहाँ है?

(क) कर्म में (ख) स्वर्ग में

(ग) ब्रह्म में (घ) समाधि में

[B] प्रश्नसंख्या 21–35 वस्तुनिष्ठप्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकं प्रश्नं द्वयोः अङ्कयोः भवति, तदर्थं 30 अङ्काः आवण्टिताः भवन्ति—
2×15=30

प्रश्न संख्या 21–35 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का है और इसके लिए 30 अंक निर्धारित हैं :

21. अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—
नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(क) गुणेन क्रियया वा सह इन्द्रियस्य ______-सम्बन्धः।
गुण या क्रिया के साथ इंद्रिय का ______ सम्बन्ध।

(ख) जीवेश्वरसम्बन्धात् प्रत्यक्षज्ञानं द्विविधम् ______ ______ चेति।
जीव और ईश्वर के सम्बन्ध के कारण प्रत्यक्ष ज्ञान दो प्रकार का होता है ______ एवं ______ ।

22. अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—
नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(क) पर्वतो वह्निमान् धूमात् इत्यत्र ______ साध्यः, ______ उदाहरणम्।
पर्वतो वह्निमान् धूमात् यहाँ ______ साध्य, ______ उदाहरण है।

(ख) तद्भिन्नत्वे सति ______ सादृश्यस्य लक्षणम्।
तद्भिन्नत्वे सति ______ सादृश्य का लक्षण है।

23. अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु कस्यापि **एकस्य** उत्तरं ददातु—
नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में से किसी **एक** का उत्तर दें :

(क) न निरोधो न ______ न बद्धो न च ______ ।
न निरोधो न ______ न वद्धो न च ______ ।

(ख) अध्यासः द्विविधः ______ ______ चेति।
अध्यास दो प्रकार का होता है ______ एवं ______ ।

24. अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में उत्तर दें :

यतो वा इमानि भूतानि ______, येन जातानि ______ ।

यतो वा इमानि भूतानि ______, येन जातानि ______ ।

25. अधोलिखितेषु रिक्तस्थानेषु उत्तरं ददातु—

नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में उत्तर दें :

ये यथा मां ______ तांस्तथैव ______ ।

ये यथा मां ______ तांस्तथैव ______ ।

26. अधोलिखितेषु वाक्येषु कस्यापि **द्वयोः** सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु—

नीचे दिए गए वाक्यों में से कोई भी **दो** सत्य और असत्य कथन चुनें :

(क) शक्तिर्नाम पदानाम् अर्थेषु मुख्या वृत्तिः । (सत्यम्/असत्यम्)

पदों के अर्थ में शक्ति ही मुख्य वृत्ति है। (सत्य/असत्य)

(ख) नैयायिकाः अर्थापत्तिप्रमाणं स्वीकुर्वन्ति । (सत्यम्/असत्यम्)

नैयायिकों अर्थापत्ति प्रमाण को स्वीकार करते हैं। (सत्य/असत्य)

(ग) भविष्यति इति प्रतीतिविषयो अभावो हि अन्योन्याभावः। (सत्यम्/असत्यम्)

भविष्यति—यह ज्ञानविषय अभाव अन्योन्याभाव है। (सत्य/असत्य)

27. अधोलिखितेषु वाक्येषु कस्यापि **द्वयोः** सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु—

नीचे दिए गए वाक्यों में से कोई भी **दो** सत्य और असत्य कथन चुनें :

(क) वेदान्तमते माया हि त्रिगुणात्मिका। (सत्यम्/असत्यम्)

वेदांत के अनुसार, माया त्रिगुणात्मिका है। (सत्य/असत्य)

(ख) वेदान्तमते मायाविच्छिन्नं चैतन्यं हि जीवः। (सत्यम्/असत्यम्)

वेदांत के अनुसार, मायाविच्छिन्न चैतन्य जीव है। (सत्य/असत्य)

(ग) संशयाकारा अन्तःकरणवृत्तिः हि मनः। (सत्यम्/असत्यम्)

संशयाकारा अन्तःकरणवृत्ति मन है। (सत्य/असत्य)

28. अधोलिखितेषु वाक्येषु कस्यापि **द्वयोः** सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु—
नीचे दिए गए वाक्यों में से कोई भी **दो** सत्य और असत्य कथन चुनें :

(क) वेदान्तसारस्य रचयिता प्रकाशात्मयतिः। (सत्यम्/असत्यम्)

वेदान्तसार का रचयिता प्रकाशात्मयति। (सत्य/असत्य)

(ख) अद्वैतवेदान्तमते अनादयः षट् सन्ति। (सत्यम्/असत्यम्)

अद्वैत वेदांत के अनुसार, छः अनाद हैं। (सत्य/असत्य)

(ग) अद्वैतवेदान्तमते अविद्या अनादिः नास्ति। (सत्यम्/असत्यम्)

अद्वैत वेदांत के अनुसार, अविद्या अनादि नहीं है। (सत्य/असत्य)

29. अधोलिखितेषु वाक्येषु कस्यापि **द्वयोः** सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु—
नीचे दिए गए वाक्यों में से कोई भी **दो** सत्य और असत्य कथन चुनें :

(क) अद्वैतवेदान्तमते विषयादिसकलप्रपञ्चः ब्रह्मणि अध्यस्तः। (सत्यम्/असत्यम्)

अद्वैत वेदांत के अनुसार, विषयादि पूरे प्रपञ्च ब्रह्म में आरोपित है। (सत्य/असत्य)

(ख) यत्र आरोपो भवति तद् अध्यस्तम्। (सत्यम्/असत्यम्)

जहाँ आरोप लगाया गया है, वह अध्यस्त है। (सत्य/असत्य)

(ग) मृत्तिका हि घटस्य निमित्तकारणम्। (सत्यम्/असत्यम्)

मिट्टी घड़े का निमित्त कारण है। (सत्य/असत्य)

30. अधोलिखितेषु वाक्येषु सत्यम् असत्यं च वाक्यं चिनोतु—

नीचे दिए गए वाक्यों में से सत्य और असत्य कथनों का चयन करें :

(क) अद्वैतवेदान्तमते सर्वे प्रमाणप्रमेयव्यवहाराः अध्यासादेव सम्भवन्ति। (सत्यम्/असत्यम्)

अद्वैत वेदांत के अनुसार, प्रमाण और प्रमेय के सभी व्यवहार अध्यास के कारण ही होते हैं। (सत्य/असत्य)

(ख) अद्वैतवेदान्तिभिः आरोपितवस्तुनः अनिर्वचनीयत्वम् अङ्गीकुर्वन्ति। (सत्यम्/असत्यम्)

अद्वैत वेदांती आरोपित वस्तु का अनिर्वचनीयत्व स्वीकार करते हैं। (सत्य/असत्य)

31. मेलनं कुरु—

(क) अभावः	*(i)* द्विविधः
	(ii) चतुर्विध
(ख) अर्थापत्तिः	*(iii)* पञ्चविधः
	(iv) त्रिविधः

मिलान करें—

(क) अभाव	*(i)* दो प्रकार
	(ii) चार प्रकार
(ख) अर्थापत्ति	*(iii)* पाँच प्रकार
	(iv) तीन प्रकार

32. मेलनं कुरु—

(क) पर्वतो वह्निमान्	*(i)* पक्षः
	(ii) उदाहरणम्
(ख) धूमात्	*(iii)* प्रतिज्ञा
	(iv) हेतुः

मिलान करें—

(क) पर्वतो वह्निमान्	*(i)* पक्ष
	(ii) उदाहरण
(ख) धूमात्	*(iii)* प्रतिज्ञा
	(iv) हेतु

33. मेलनं कुरु—

(क) भामतीकारः — (i) शङ्कराचार्यः

(ii) वाचस्पतिमिश्रः

(ख) विवरणकारः — (iii) प्रकाशात्मयतिः

(iv) पद्मपादाचार्यः

मिलान करें—

(क) भामतीकार — (i) शङ्कराचार्य

(ii) वाचस्पतिमिश्र

(ख) विवरणकार — (iii) प्रकाशात्मयति

(iv) पद्मपादाचार्य

34. मेलनं कुरु—

(क) घटस्य उपादानकारणम् — (i) ईश्वरः

(ii) मृत्तिका

(ख) जगतः उपादानकारणम् — (iii) कुलालः

(iv) अविद्याः

मिलान करें—

(क) घट का उपादान कारण — (i) ईश्वर

(ii) मिट्टी

(ख) जगत् का उपादान कारण — (iii) कुलाल

(iv) अविद्या

35. मेलनं कुरु—

(क) अख्यातिः	*(i)* नैयायिकाः
	(ii) सौत्रान्तिकाः
(ख) आत्मख्यातिः	*(iii)* प्राभाकराः
	(iv) वेदान्तिनः

मिलान करें—

(क) अख्याति	*(i)* नैयायिक
	(ii) सौत्रान्तिक
(ख) आत्मख्याति	*(iii)* प्राभाकर
	(iv) वेदांती

[C] षट्-प्रश्नानां यथानिर्देशं लघूनि उत्तराणि लिखत— 2×6=12

निर्देशानुसार छः प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखें :

36. किम् अनुमानम्? का च अनुमितिः? 1+1=2

अथवा

कः पक्षः? उदाहरणं दीयताम्।

अनुमान क्या है? और अनुमिति क्या है?

अथवा

पक्ष क्या है? एक उदाहरण दें।

37. किं नाम मिथ्यात्वम्?

मिथ्यात्व क्या है?

38. प्रातिभासिकत्वे नियामकं किं भवति? शुक्तिरजतोत्पत्तौ इन्द्रियदोषः कः? 1+1=2

अथवा

अध्यारोपः नाम कः? एकः दृष्टान्तः प्रदीयताम्।

प्रातिभासिकत्व में नियामक क्या है? शुक्तिरजत की उत्पत्ति में इन्द्रियदोष क्या है?

अथवा

अध्यारोप क्या है? एक उदाहरण दें।

39. किं नाम निर्विकल्पं ज्ञानम्? उदाहरणम् एकं लिखत। 1+1=2

निर्विकल्प ज्ञान क्या है? एक उदाहरण लिखें।

40. किं तावत् मननम्? 2

अथवा

ध्यानं नाम किम्? ध्यानविषये पातञ्जलं सूत्रं किम्? 1+1=2

मनन क्या है?

अथवा

ध्यान क्या है? ध्यान पर पतंजलि सूत्र क्या है?

41. अपवादो नाम कः?

अपवाद क्या है?

[D] षट्-प्रश्नान् अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त— 3×6=18

छः प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें :

42. कारिकांशं व्याख्यात—''कारणमस्त्यव्यक्तं प्रवर्तते त्रिगुणतः समुदयाच्च'' इति।

अथवा

कर्मेन्द्रियाणां विषये लघुटिप्पणीं लिखत।

कारिकांश की व्याख्या करें—''कारणमस्त्यव्यक्तं प्रवर्तते त्रिगुणतः समुदयाच्च''।

अथवा

कर्मेन्द्रियों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

43. सोदाहरणं निर्विकल्पकं ज्ञानं वर्णयत।

उदाहरण के साथ निर्विकल्पक ज्ञान का वर्णन करें।

44. अभावभेदेषु द्वयोः समासेन परिचयः प्रदीयताम्।

अथवा

वेदान्ते सिद्धान्तमते लक्षणाबीजं तात्पर्यानुपपत्तिः इति विषयं पर्यालोचयत।

अभाव के दो भेदों का संक्षिप्त परिचय दें।

अथवा

वेदांत के सिद्धांत के अनुसार लक्षणा का बीज है तात्पर्य की अनुपपत्ति—इस विषय पर विचार करें।

45. नित्यं, नैमित्तिकं प्रायश्चित्तं च कर्म समासेन वर्ण्यताम्।

नित्य, नैमित्तिक और प्रायश्चित्त कर्म का संक्षेप में वर्णन करें।

46. विवर्तवादं च समासेन वर्णयत।

अथवा

परिणामवादं समासेन वर्णयत।

विवर्तवाद का संक्षेप में वर्णन करें।

अथवा

परिणामवाद का संक्षेप में वर्णन करें।

47. अद्वैतवेदान्तानुसारेण विदेहमुक्तिं समासेन वर्णयत।

अद्वैत वेदांत के अनुसार विदेहमुक्ति का संक्षेप में वर्णन करें।

[E] चत्वारः दीर्घोत्तरैः समाधेयाः — 5×4=20

चार प्रश्नों के दीर्घ उत्तर दें :

48. सांख्यदर्शनानुसारेण सत्कार्यवादस्वीकाराय यथेच्छं कारणद्वयं विस्तरेण विचार्यताम्।

अथवा

सांख्यदर्शनानुसारेण व्यक्ताव्यक्तयोः चत्वारि वैधर्म्याणि आलोचयत।

सांख्य दर्शन के अनुसार, सत्कार्यवाद को स्वीकार करने के दो कारणों पर अपनी इच्छानुसार विस्तार से विचार करें।

अथवा

सांख्य दर्शन के अनुसार, व्यक्त और अव्यक्त के बीच चार अंतरों की चर्चा करें।

49. निर्विकल्पसमाधेः अङ्गानि कानि? तेषु यथेच्छं त्रयाणां समासेन परिचयः दीयताम्।

निर्विकल्प समाधि के अंग कौन-से हैं? उनमें से अपनी इच्छानुसार तीनों का संक्षिप्त परिचय दें।

50. अद्वैतवेदान्ते सृष्टिप्रसङ्गे अध्यारोपापवादौ वर्णनीयौ।

अथवा

वेदान्तमते पञ्चीकरणं वैशद्येन प्रतिपाद्यताम्।

अद्वैत वेदान्त में सृष्टि के सन्दर्भ में अध्यारोप और अपवादों का वर्णन करें।

अथवा

वेदांत के अनुसार, पंचीकरण को विस्तार से समझाएँ।

51. अद्वैतवेदान्तानुसारेण जीवन्मुक्तिं समासेन वर्णयत।

अद्वैत वेदांत के अनुसार, जीवन्मुक्ति का संक्षेप में वर्णन करें।

★ ★ ★